राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 323
ऐलान-ए-जंग
नागराज

कभी नागराज ने आतंकवाद को नेस्तनाबूद करने की शपथ ली थी और उसको पृथ्वी से लगभग मिटा डाला था लेकिन आतंकवाद ने एक बार फिर अपना घिनौना सिर संगठित अपराध के रूप में उठाया है और नागराज को एक बार फिर करना पड़ा है संगठित आतंकवाद के खिलाफ...
ऐलान-ए-जंग
संजय गुप्ता की पेशकश
चित्रांकन व कथाः अनुपम सिन्हा
इंकिंगः विनोद कुमार
रंग व सुलेखः सुनील पाण्डेय
सम्पादकः मनीष गुप्ता
ये अफगानिस्तान की जमीन है नागराज, और यहां पर मश्तून शाह पठान का हुक्म चलता है! पत्थर तक चलने लगते हैं हमारे हुक्म से!
यहीं पर बनेगी तेरी कब्र, और यहीं पर खत्म होगी तेरी ये यात्रा!
RAJA POCKET BOOKS
visit us at: www.rajcomics.com

राज कॉमिक्स
नागराज के इस 'सैलाब-ए-जंग' का एक मुख्य कारण था सुप्रीम हेड द्वारा भारती का अपहरण करके उसको आतंकवादियों के हवाले कर देना।✪
और इस मुसीबत ने दादा वेदाचार्य को गहरा मानसिक आघात पहुंचाया था-
भारती! तुम कहां हो भारती? मेरे मानसिक संदेश का जवाब दो भारती!
देखा, पोल्का! अपनी पोती के गम में वेदाचार्य यह तक भूल गए हैं कि सोना और खाना क्या होता है।✪✪
मैं भी तो अफगानी आतंकवादियों की तरफ से तुमको भारती की तलाश पर जाने से रोकने के लिए ही आई थी नागराज! पर दादाजी को देखकर मेरा दिल खून के आंसू रो रहा है! मैं भारती को वापस लाने के लिए खुद तुम्हारे साथ अफगानिस्तान जाऊंगी!
आप चिन्ता न करें दादाजी! अब भारती को ढूंढने की जिम्मेदारी मेरी है! मैं लाऊंगी भारती को आपके पास! यह पोल्का का वादा है!
उस मशतून शाह पठान को पकड़कर तुम्हारे हवाले करने, जिसने मुझको तुमको मारने का कांट्रैक्ट दिया था!
पोल्का? तुम कौन हो?
भारती के अपहरणकर्ताओं ने मुझको मारने के लिए इसे भेजा था! लेकिन अब यह मेरी मित्र बन चुकी है! और इसको भारती के अपहरणकर्ताओं के बारे में सब पता है!
✪ भारती के अपहरण के बारे में जानने के लिए पढ़ें : कालचक्र
✪✪ पोल्का के बारे में जानकारी पाएं कुंडली को पढ़कर

अब हमको देर नहीं करनी चाहिए नागराज! इससे पहले कि मइनून सच्चाई को भांप जाए, हमको अफगानिस्तान पहुंच जाना चाहिए!
एक समस्या अभी सुलझानी बाकी है पोल्का! एक भारती के कारण मैं लाखों महानगरवासियों को असुरक्षित नहीं छोड़ सकता! मुझको महानगर में सुरक्षा कायम रखने के कुछ प्रबंध करने होंगे!
क्योंकि अपराध और अपराधी कभी भी सोते नहीं...
...अरे!
मेरे जासूस सर्प मुझको खतरे के संकेत भेज रहे हैं! और ये किसी बड़े खतरे के बारे में है!
कहां से आ रहे हैं ये संकेत?
शांति पुरम के इलाके से! लगभग वहीं से, जहां पर तुम्हारी लैब स्थित है!
ओ माई गॉड! कहीं इस मुसीबत का संबंध मेरी लैब से ही तो नहीं है! मुझे अपनी लैब को खुद ही नष्ट करना होगा, ताकि कोई उसका गलत इस्तेमाल न कर सके!
तुम अपनी लैब को संभालो पोल्का! मैं महानगर पर आई मुसीबत को संभालता हूं!
इस बार महानगर पर आने वाली मुसीबत अनोखी भी थी और भयंकर भी-
ये... ये क्या? इसके छूते ही मेरी कार काली हो गई! कैसे?
'काली' नहीं हुई! तेरी कार अपने वास्तविक रूप का 'निगेटिव' बन गई है!

prashant

इसमें 'निगेटिव ऊर्जा' दौड़ने लगी है! ...और अब यह निगेटिव जिस किसी भी 'पॉजिटिव' वस्तु का स्पर्श करेगा...
... तो दोनों ही वस्तुओं में दौड़ती विपरीत ऊर्जाएं दोनों ही वस्तुओं को नष्ट कर देगी!
अब ये तबाही तब तक जारी रहेगी, जब तक सिनेमाटो नागराज का निगेटिव बनाकर उसको नष्ट नहीं कर देता!

Amaan
ऐलान-ए-जंग
नागराज के लिए, महानगर पर आई मुसीबत को ढूंढ़ना कोई मुश्किल काम नहीं था-
ये क्या हो रहा है? शहर का यह हिस्सा ऐसा क्यों लग रहा है जैसे कि यह किसी फोटो का निगेटिव हो! यह जरूर उसी मुसीबत का काम है!
और काली निगेटिव इमारतों की कतारें यह बता रही हैं कि वह मुसीबत गई किधर है!...
... मैं जल्दी ही उसको...
नागराज ने सर्प रस्सी को उस काली इमारत में अटका कर आगे बढ़ने की कोशिश की, और-
अरे! उस काली इमारत में सर्प रस्सी का स्पर्श होते ही धमाका हो गया, और सर्प रस्सी टूट गई!
मुझे कारण तो समझ में नहीं आया, पर इतना मैं जरूर समझ गया हूं कि काली चीजों का स्पर्श करना खतरनाक हो सकता है...
...अब मैं काली चीजों का स्पर्श करूंगा ही नहीं!
और जल्दी ही-
आहा! मिल गया मुझको यह तबाही फैलाने वाला!... अब इसको पकड़कर...

... इससे, इस तबाही का कारण जानना है!
ध्वंसक सर्पों के वार ने सिनेमाटो को हवा में उड़ाकर कई फुट दूर फेंक दिया-

ओह, नागराज ! तुमने तो मुझे आश्चर्यचकित कर दिया ! अगर सामने से वार करते तो यह वार मुझको कभी न लगता !
और तूने मुझको क्रोधित कर दिया है। कौन है तू और किस मकसद से तू महानगर पर तबाही ढा रहा है ?
जो काम पोल्का नहीं कर पाई उसको करने आया है सिनेमाटो ! और तुझको मारने से पहले जरा सी प्रैक्टिस तो करनी जरूरी थी न ! अब तू मरने को तैयार हो जा नागराज !
और नागराज तुझ जैसे अपराधियों को दीवार पर उल्टा लटका देता है ! और वह भी जिन्दा !
फ़ऊऊ
क्योंकि सिनेमाटो जिसके पीछे पड़ जाता है, उसका पहले निगेटिव निकालता है, और फिर उसका पॉजिटिव बनाकर दीवार पर लटका देता है ! हार पहनाने के लिए !
आऽऽऽह ! बड़ी खतरनाक है तेरी विष फुंकार ! मैंने इसके बारे में पहले ही सुन रखा है, और नाक में फिल्टर लगाकर इससे बचने का इंतजाम भी कर रखा है !

तो फिर तुझको पकड़कर तेरी नाक से फिल्टर निकालना पड़ेगा, सिनेमाटो!
ओ! तू नागरस्सी से मुझको पकड़ना चाहता है! ले पकड़ ले!
सिनेमाटो के शरीर से टकराते ही-
STD ISD PCO
सर्प-रस्सी तेजी से निगेटिव रूप में आने लगी-
आश्चर्यचकित नागराज इस वार से बचने का रास्ता सोचता रह गया-
एक पल के बाद, निगेटिव ऊर्जा का संपर्क नागराज से होने ही वाला था-
लेकिन सर्प रस्सी को किसी ने बीच में ही तोड़ दिया-
पोल्का, नागराज की मदद के लिए घटनास्थल पर आ चुकी थी-
यह तुम क्या कर रहे थे नागराज? अगर इस ऊर्जा का संपर्क तुमसे हो जाता तो तुम भी अपने निगेटिव रूप में बदल जाते!

☆ मश्तून शाह के बारे में जानने के लिए पढ़ें कालचक्र

इसका रूप बदल रहा है! डेवलपर रे इसकी निगेटिव ऊर्जा को नष्ट कर रही है!
मैं किरण की तीव्रता को बढ़ा देती हूं, नागराज! कुछ ही पलों में यह एक सामान्य इंसान बनकर रह जाएगा!
कुछ ही पलों में सिनेमाटो की शक्ति पूरी तरह से नष्ट हो जानी थी-
अगर सिनेमाटो ऐन वक्त पर फ्लैश चमका कर पोल्का की आंखों को चुंधिया न देता-
और पोल्का की किरण अपने निशाने से हट न जाती तो !
पोल्का को दूसरा मौका नहीं मिला-
हे भगवान! सिनेमाटो ने पोल्का को उसके निगेटिव रूप में बदल दिया है!
और उसके पैर सड़क के संपर्क में होने के कारण निगेटिव और पॉजिटिव ऊर्जा आपस में मिल रही है!
...और पोल्का के पैरों के नीचे धमाके हो रहे हैं! मुझे पहले पोल्का को बचाना होगा!

लेकिन कैसे? पोल्का को मैं चाहे किसी भी चीज से पकड़ने की कोशिश करूं पर विस्फोट तो होगा ही होगा! और हवा में उछलती पोल्का बार-बार जमीन से टकरा रही है और हर बार होता विस्फोट उसको और ज्यादा घायल करता जा रहा है!... पोल्का को बचाने के लिए मुझको सिनेमाटो पर हमला करना होगा!
फिर से मुझ पर सर्प रस्सी से हमला कर रहा है! लेकिन इसका इस बार भी वही हाल होगा जो पहले हुआ था!
क्योंकि निगेटिव रूप में बदलने के बाद भी नागों से मेरा मानसिक संपर्क बना रहेगा, और मेरा मानसिक आदेश पाकर...
यही तो मैं चाहता हूं सिनेमाटो!
कि तुमसे छूकर मेरी सर्प रस्सी अपने निगेटिव रूप में बदल जाए!
...निगेटिव सर्परस्सी, निगेटिव बिजली के पोल से लिपटकर पोल्का को हवा में लटका लेंगी।
अब पोल्का का किसी भी पॉजिटिव चीज से संपर्क नहीं होगा, और वह सुरक्षित रहेगी!

वाह, नागराज! तूने पोल्का को बचा लिया! लेकिन मेरा मकसद पोल्का को मारना नहीं है, बल्कि तुझे मारना है! पोल्का को तो मुझे सिर्फ रास्ते से हटाना था, और वह हट गई! अब मेरे और तुम्हारे बीच में सीधा मुकाबला होगा!
... जो जमीन छूते ही बम की तरह फट रहे हैं!
ओह! अब ये मुझ पर निगेटिव ऊर्जा से युक्त मलबे के टुकड़े फेंक रहा है! ...
हा हा हा! इन धमाकों ने तेरे पैरों के नीचे की जमीन को हिला डाला है नागराज! अब हिलने की बारी तेरी है!
ओह! यह मेरी फुर्ती कम होने का फायदा उठा रहा है!
अब यह मलबे के टुकड़े सीधे मेरे शरीर पर फेंक रहा है! अब मुझे जवाबी वार करना ही होगा! ध्वंसक सर्पों के द्वारा!

Amaan
जो इससे टकराकर चाहे निगेटिव रूप में बदल जाएं, लेकिन फटेंगे जरूर! और इसको नुकसान भी पहुंचाएंगे!
लेकिन-
हा हा हा! तेरे नाग मुझसे टकराकर फट तो रहे हैं नागराज! लेकिन मुझसे छूते ही ये निगेटिव बन रहे हैं! और इनके फटने पर वही निगेटिव ऊर्जा फैल रही है जो मुझे नुकसान पहुंचाने के बजाय मेरे शरीर में जज्ब होकर मेरी शक्ति को और बढ़ा रही है!
अब देख कि मैं तेरा क्या हाल करता हूं!
देख! ये निगेटिव एनर्जी से भरे हवा में उड़ने वाले ऐसे गोले हैं, जो 'हीट सन्सेटिव' हैं...
यानी ये तेरे शरीर की गर्मी की मदद से तुझको ढूंढ़कर तुझ पर निगेटिव एनर्जी का वार कर सकते हैं!...

... और एक बार निगेटिव एनर्जी का वार खाकर जब तू खुद निगेटिव नागराज बन जाएगा तो फिर तेरी मौत निश्चित है! क्योंकि फिर तू कभी भी किसी भी पॉजिटिव चीज को नहीं छू पाएगा!
नागराज की बेमिसाल सर्पीली फुर्ती उसको घातक किरणों के वार से फिलहाल तो बचा रही थी-

लेकिन ज्यादा देर तक ये फुर्ती काम आने वाली नहीं थी-
अब इन गोलों से बचना मुश्किल है! लेकिन इनके वारों को मोड़ना ज्यादा मुश्किल काम नहीं है!...
और फिर-
अरे! ये... ये क्या? गोलों ने तेरा पीछा करना छोड़ दिया और जाकर उस दीवार से टकराकर उसको निगेटिव बना दिया। पर कैसे?
क्योंकि मैंने अपने शरीर के तापमान को शीत नागकुमार की मदद से एकदम कम कर लिया और ध्वंसक सर्पों ने दीवार का तापमान बढ़ा दिया।
हीट सेन्सेटिव होने के कारण तेरे गोले वहीं जाकर टकरा गए, जहां पर इनको ऊष्मा का आभास हुआ!
शीतनागकुमार कौन है? खैर, कुछ भी कर ले! तू मुझसे सिर्फ बच सकता है, मुझपर वार नहीं कर सकता!
और बचने की भी एक सीमा होती है! देखता हूं कि तू मुझसे कब तक बचता है!
ये सही कह रहा है! बचना समस्या का हल नहीं है। वार करना होगा!
और इस पर वार करने का एक ही रास्ता है! मुझे अपने आपको दांव पर लगाना होगा!
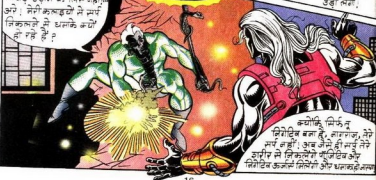
जानबूझकर अपने आपको 'निगेटिव' बनाना होगा।
गलत! ये रूप मैंने तेरी हड्डियां तोड़ने के लिए कुबूल किया है! अपने चिथड़े उड़ाने के लिए नहीं!... अरे! मेरी कलाइयों से सर्प निकलने से धमाके क्यों हो रहे हैं?
हा हा हा! अब तू मारा गया नागराज! जल्दी ही तू खुद अपने चिथड़े उड़ा लेगा!
क्योंकि सिर्फ तू निगेटिव बना है, नागराज, तेरे सर्प नहीं! अब जैसे ही सर्प तेरे शरीर से निकलेंगे पॉजिटिव और निगेटिव ऊर्जाएं मिलेंगी और धमाका हो जाएगा!

Amaan
अब तेरी कोई भी शक्ति तेरे शरीर से बाहर नहीं आ सकती है नागराज! और अब मैं तेरी नागरस्सी को तोड़कर तेरा स्पर्श 'पॉजिटिव ऊर्जा युक्त' वस्तुओं से कराऊंगा, और तेरे चिथड़े उड़ता देखूंगा!
ईयाया
नागराज का शरीर जमीन से टकराया-
और धमाके के साथ-साथ नागराज की एक तेज चीख भी वातावरण में गूंज उठी-
अब मैं वह वार करूंगा, जिसके लिए मैंने जानबूझकर ये निगेटिव रूप धरा है!
कौन सा काम?
तेरा जबड़ा तोड़ने का काम!

prashant

मुझ पर वार करने के बाद भी तो तू जमीन पर ही गिरेगा, नागराज! और धमाके से घायल होगा! चोट मुझको कम लगेगी और तुझको ज्यादा!
धड़ाक
गलत! तुझको शायद यह नहीं पता कि मैं दीवार पर भी चिपक सकता हूं!
तुझ पर वार करने के बाद मैं उन्हीं दीवारों पर चिपक जाऊंगा जिनको तेरे वारों ने पहले ही निगेटिव बना दिया है!...
...और फिर इस दीवार से उछल कर मैं तुझ पर वार करता हुआ दूसरी निगेटिव दीवार पर चिपक जाऊंगा
तड़
और तेरे वार अब मुझ पर बेअसर रहेंगे क्योंकि अब वे मुझको और नुकसान नहीं पहुंचा सकते!
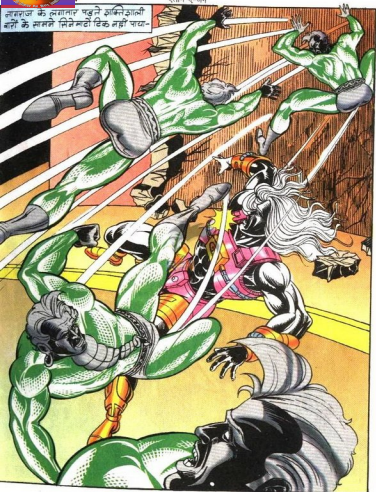
नागराज के लगातार पड़ते शक्तिशाली वारों के सामने सिनेमाटो टिक नहीं पाया-

और सिनेमाटो के दिमाग पर बेहोशी की काली पर्त चढ़ती चली गई-
और फिर-
तुमने मेरे ऊपर अपना एक और एहसान चढ़ा दिया है नागराज! अगर तुम न होते तो सिनेमाटो मेरे चिथड़े उड़ा देता!
धन्यवाद बाद में देती रहना पोल्का! पहले इस निगेटिव रूप से छुटकारा पाने का उपाय सोचो!
अभी भी हम खतरे से बाहर नहीं आए हैं! इस रूप में पॉजिटिव चीज हमारे लिए बम है!

'डेवलपर रे' दोनों के शरीर से टकराई-
और पोल्का ने खतरे की आशंका से अपनी आंखें कसकर बंद करली-
लेकिन-
हम... हम सामान्य हो गए, नागराज! नॉर्मल हो गए!
पर हमारे पॉजिटिव बनते ही निगेटिव पोल हमारे लिए बम बन गया है!
उसकी चिंता मत करो पोल्का
अब सर्प रस्सी मेरी कलाइयों से निकल सकती है! सर्प रस्सी हमको बचा लेगी!
कमाल कर दिया तुमने नागराज! लेकिन 'डेवलपर रे' का प्रयोग करके तुमने बहुत बड़ा खतरा मोल लिया था!
कोई खतरा नहीं था, पोल्का! मुझे पता था कि अगर मेरे निगेटिव बनने से मेरे शरीर के सर्प सामान्य ही बने रहे तो डेवलपर गन के निगेटिव बनने के बावजूद भी उसमें मौजूद 'डेवलपर रे' भी बदली नहीं होगी!
अब मेरी लैब की तरफ चलो नागराज! ताकि मैं 'डेवलपर रे' को भारी मात्रा में बनाकर सभी इमारतों को भी सामान्य बना सकूं!

और फिर- महानगर की निगेटिव वस्तुओं को सामान्य बनाने का काम शुरू हो गया-
एक तरह से यह अच्छा ही हुआ पोल्का कि मस्तून शाह ने उसी आदमी को मेरे पीछे भेजा, जिसको तुमने बनाया था। वर्ना शहर का यह हिस्सा निगेटिव ही बना रह जाता!
सच है नागराज! लेकिन मस्तून शाह ने ऐसा करके पूरे मामले को पेचीदा बना दिया है! सिनेमाटो का आना ये बताता है कि या तो मस्तून शाह मुझको मरा हुआ समझ रहा है, या फिर गद्दार! अब उसको यह भी पता चल जाएगा कि सिनेमाटो भी नाकामयाब हो गया है!
अब उसको तुम्हारे अफगानिस्तान पहुंचने का डर हो गया है। अब उस तक पहुंचना उतना ही मुश्किल होगा जितना नंगे पांव तपते रेगिस्तान को पार करना!
फिर हम मस्तून शाह तक कैसे पहुंचेंगे? याद रखो, हमारा मकसद सिर्फ मस्तून का आतंकवाद खत्म करना नहीं है बल्कि भारती को भी जिन्दा वापस लाना है!
उसके पास तुमको सिर्फ मैं लेजा सकती हूं नागराज! लेकिन अब तो वह मुझे भी अपना दुश्मन समझ लेगा
ऐसा है तो दुश्मन को दोस्त बना लो!
और इसका तरीका मैं तुमको बताता हूं! सुनो!
नागराज पोल्का को अपनी योजना बताने लगा-

वाह, नागराज! क्या प्लान बनाया है? मैं तो तुम्हारे दिमाग की दीवानी हुई जा रही हूं!
दीवानी होने से पहले तुम जाकर अपनी लैब को 'डिसमैंटल' करो, और मैं जाकर महानगर को सुरक्षित रखने का प्रबंध करके आता हूं!
और अफगानिस्तान के दक्षिणी शहर कंधार के पास एक अत्यंत गुप्त स्थान पर-
ऐ! रुक! अंदर कहां भागा जा रहा है? मस्तून शाह अभी आराम फर्मा रहे हैं!
हट मेरे रास्ते से! मुझे बंदापरवर मस्तून शाह को एक बहुत जरूरी खबर देनी है!
क्या बात है, हलबीब? ऐसी कौन सी जरूरी खबर है जो हमारे जागने का इंतजार नहीं कर सकती!
सिनेमाटो पकड़ा गया बंदापरवर! और उसको नागराज के साथ मिलकर पकड़ने वाली पोल्का है! ऐसी खबर हिन्दुस्तान से आई है!
पोल्का! यानी वह अभी जिन्दा है! इस खबर का सीधा सा मतलब यही है कि पोल्का गद्दार हो गई है!
नजरें खुली रखो, हलबीब! नागराज हमारे पीछे यहां तक जरूर आएगा!

तभी-
ट्रांसमीटर पर किसी का मैसेज आ रहा है।
हैलो रोजर! हैलो रोजर! पोल्का स्पीकिंग। मेरा प्लेन कंधार के ऊपर उड़ रहा है। उतरने की इजाजत दो। ओवर!
इजाजत है पोल्का! मस्तून अफगानिस्तान में तुम्हारा स्वैर मकदम करता है।
ये जरूर पोल्का की कोई चाल है! या फिर नागराज ने उसको अपने कब्जे में कर लिया है।
अपने आदमियों के हवाई पट्टी के दोनों तरफ तैनात कर दो!
और हल्का सा भी शक होते ही उसको उड़ा देना। समझे हलवीन!
समझ गया बंदा परवर!
और विमान में-
बस! हम उतरने ही वाले हैं, नागराज! तैयार हो जाओ!
एक बात बताओ पोल्का! ये मस्तून शाह कुछ ही महीनों में पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा करने में सफल कैसे हो गया?
मस्तून के पास कुछ शैतानी शक्तियां हैं नागराज! वे शक्तियां लोगों को हिंसक और अपराधी बनाती हैं! और इस कारण अफगानी बंदूक उठाकर अपने ही लोगों का खून बहा रहे हैं।
लोग आखिरकार इसका साथ क्यों दे रहे हैं?
मैंने तो यहां तक सुना है कि अफगानिस्तान के पत्थर तक मस्तून शाह का हुक्म मानते हैं! लेकिन उसकी शक्ति है क्या राज है यह मुझे नहीं पता।

घातक हथियारों के साए में प्लेन, हवाई पट्टी पर उतर आया-
आ, पोल्का! इससे पहले कि इस जहाज को बम से उड़ा दिया जाए बता कि तू गद्दार क्यों हो गई? मुझसे संपर्क भी नहीं किया और नागराज के साथ मिलकर सिनेमाटो को पकड़वा दिया! क्यों?
इसलिए!
नागराज! तू... तू नागराज को बंदी बनाकर ले आई! वाह!
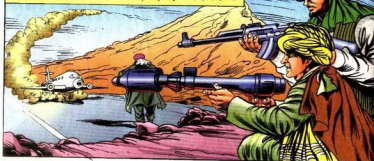
वाह! काम बन गया! पोल्का द्वारा मुझे बंदी बनाकर लाए जाने से इनको अभी तक यह शक नहीं हुआ है कि मैं सचमुच में बंदी नहीं हूं! यह मेरी योजना का एक हिस्सा है! और जब तक ये सच्चाई को समझ पाएंगे तब तक मैं मश्तून शाह तक पहुंचकर उसको अपने कब्जे में ले लूंगा! मश्तून ही अफगानिस्तान में आतंकवाद की जड़ है, और इस जड़ को काट देने से आतंकवाद का पेड़ अपने आप सूख जाएगा!
लेकिन मश्तून तक पहुंच पाने से पहले ही-
आऽऽऽह!
ये झटका मुझको कैसे लगा?
मैंने लगाया! जब तक तुम बेबस नहीं होगे तब तक मश्तून शाह तुमको अपने कब्जे में कैसे लेगा!
ये तुम क्या कह रही हो? हमारा प्लान तो मश्तून शाह को पकड़ने का था!
हमारा नहीं, ये तुम्हारा प्लान था! वैसे अगर तुम ये प्लान न सुझाते तो मैं भी ऐसा ही कुछ प्लान बनाने वाली थी! दरअसल तुमको यहां पर बंदी के रूप में लाने का एक ही रास्ता था! तुम्हारा विश्वास हासिल करना!

✪ ऐलीबेली के बारे में जानने के लिए पढ़ें : कुंडली

ही ही ही! न तो पैसे कहीं भागे जा रहे हैं पोल्का, और न ही तुम! जानती हो पोल्का! हमारे अफगानिस्तान में हिन्दी फिल्में बहुत देखी जाती हैं! मैंने भी देखी हैं! पर एक बात मुझको कभी भी समझ में नहीं आई कि विलेन, हीरो को तड़पा-तड़पाकर क्यों मारना चाहता है! एक झटके में ही खत्म क्यों नहीं कर देता!
और यह बात मुझको आज समझ में आ रही है! अरे, अगर नागराज जैसे हीरो को एक झटके में ही मार दिया जाए तो इसको मारने का मजा ही खत्म हो जाएगा!
फिर तुम कैसे मारोगे नागराज को?
पूरा तमाशा होगा पोल्का! अफगानिस्तान में सभी यह इंतजार कर रहे थे कि अब नागराज यहां आकर मउतून शाह का खात्मा करेगा! अब उन सबके सामने मउतून नागराज को मारेगा! तड़पा-तड़पाकर!
कैसे?
बुजकशी से!
बुजकशी?
हां! यह हमारे यहां का सबसे खास खेल है! इसको 'पोलो' की तरह घोड़ों पर बैठकर खेला जाता है! बस फर्क इतना होता है कि स्टिक की जगह घुड़सवारों के हाथों में भाले होते हैं! और गेंद की जगह भेड़!
लेकिन आज की बुजकशी में भेड़ की जगह होगा...
...नागराज!
अफगानिस्तान वासियों के सिर पर जैसे बिजली गिर पड़ी थी-
बुजकशी में भेड़ की जगह नागराज है!
ओफ! वही तो हमारी आखिरी उम्मीद था!
उसके अलावा हमको मउतून शाह से कोई मुक्ति नहीं दिला सकता!
फिलहाल तो नागराज को ही मुक्ति की जरूरत है! लेकिन उसे मुक्ति दिलाएगा कौन?
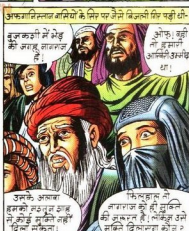
बुजकशी का खेल शुरू हो गया! और बेशुमार भाले नागराज के शरीर में लगातार धंसने लगे-
सुना था कि इसके घाव अपने आप भर जाते हैं! लेकिन अभी तो इसके घाव नहीं भर रहे हैं! शायद इसके गले में पड़े पट्टे ने इसकी वह ताकत भी खत्म कर दी है!
अपने आप घाव भरना भी मेरी एक शक्ति है! और मेरी हर शक्ति से मेरा संपर्क कट चुका है!

तुमने कमाल कर दिया पोल्का! इतना मजा तो मश्तून शाह को आज तक नहीं आया! अब नागराज नहीं बचेगा!
नागराज तक का काटा एक बार बच सकता है मश्तून! लेकिन पोल्का का काटा कभी नहीं बचता! अब मेरे पैसे दे दो!
तुम्हारे पैसे तुम्हारे स्विस बैंक के खाते में जमा करा दिए गए हैं पोल्का! लेकिन अभी हम तुमको जाने नहीं देंगे! अभी तो नागराज की मौत का जश्न बाकी है!
अब भारती का तुम क्या करोगे, मश्तून?
भारती को अभी जिन्दा रखा जाएगा! उससे अभी हमको वह काम करवाना है जो अभी उसने नहीं किया!
हमारे पास भारती को अभी जिन्दा रखने का ऑर्डर आया है!
उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी! भारती से तुम्हारा काम मैं करवा दूंगी!
कैसे?
अपने 'हिप्नोटिक सीरम' की मदद से! तीन दिनों तक रोज एक इंजेक्शन लगाना पड़ेगा और उसके बाद भारती वही करेगी जो मैं चाहूंगी! मैं एक करोड़ डालर लूंगी! मंजूर है तो बोलो!
इसके लिए मुझे पहले चीफ कमांडर से इजाजत लेनी पड़ेगी, पोल्का!
तुमको भी ऊपर से ऑर्डर देने वाला कोई है? वाऊ! कौन है ये चीफ कमांडर?
यह मैं नहीं जानता! हो सकता है कि इस वक्त वह यहीं पास में हो! या फिर अमरीका में हो, या फिर अफ्रीका में हो!
खैर! मुझे क्या? पर मैं यहां ज्यादा नहीं रुक सकती! मुझको आज ही जवाब चाहिए!
मिल जाएगा जवाब! फिलहाल तो नागराज की मौत का नजारा देखो!

कहानी 35 पेज से आगे

नागराज के शरीर में भाले धंसते जा रहे थे। और हर घाव उसको मौत के और करीब ले जा रहा था-
आऽऽऽह! इस पट्टे से छुटकारा पाना ही होगा! शायद घोड़ों की टापें इस पट्टे को तोड़ सकें!
लेकिन-
ओफ़! ये टापें तो पट्टे में गड्ढा तक नहीं कर पा रही हैं! अब क्या करूं?
नागराज पट्टे को तोड़ने की कोशिश कर रहा है पोल्का! अगर यह पट्टा उसकी गर्दन से उतर गया तो गजब हो जाएगा!
यह पट्टा टाइटेनियम और इरीडियम के मिश्रण से बनाया गया है मस्तान! संसार की कोई भी ताकत न तो इसको काट सकती है और न ही तोड़ सकती है। इसको उतारने का सिर्फ एक ही तरीका है!
पट्टे को इस चाबी से खोलना! और चाबी सिर्फ मेरे पास है!
नागराज यह वार्तालाप सुन तो नहीं पाया लेकिन चाबी की झलक उसको सारा माजरा समझाने के लिए पर्याप्त थी-
मुझको चाबी हासिल करनी ही होगी! मैं इसी मौके का इंतजार कर रहा था! यह पट्टा सिर्फ मेरी गर्दन के नीचे के हिस्से की शक्तियों को रोक सकता है! लेकिन मेरे पास अभी भी एक ऐसी शक्ति है, जो गर्दन के ऊपर के हिस्से में है!...

अगले ही पल- मस्तून शाह और पोल्का के साथ-साथ दूसरे आतंकवादियों ने भी एक अत्यन्त आश्चर्यजनक दृश्य देखा-
ये... ये क्या हो रहा है पोल्का? नागराज की यह शक्ति कौन सी है? इसने तो विशालकाय रूप धारण कर लिया है, और तुम्हारा पट्टा अपने आप टूट गया है!
ये... ये शक्ति मैंने भी पहले कभी नहीं देखी अब तो ये चाबी भी बेकार हो है!
हर नजर नागराज पर जमी हुई थी-
इसलिए य कोई नहीं दे पाया कि चा को उठाने वाला वह हा किसका

हमारे हथियार पहाड़ों तक का सीना चाक कर सकते हैं। फिर इस नागराज की भला क्या बिसात है! उड़ा दो इसको! चिथड़े उड़ा दो इसके!
ग्रेनेड लांचर और रॉकेट लांचर जैसे घातक हथियार, नागराज को निशाना बनाकर दगे-
और रॉकेट और ग्रेनेड नागराज की तरफ उड़ चले-
लेकिन फिर वापस पलट गए-
टक्
और निशानेबाज खुद निशाना बन गए-

यह कमाल, वास्तव में नागराज के शक्तिशाली सम्मोहन का था-
मेरी सम्मोहन की शक्ति मेरी आंखों में रहती है। इसलिए यह पट्टा मेरी सम्मोहन शक्ति को रोक नहीं पाया! और उसी सम्मोहन से मैंने अपने आपको विशालकाय होने और पट्टे को टूटने का भ्रमजाल दिखाया!
और फिर चाबी उठाकर पट्टे को खोलकर मैं आजाद तो हो गया हूं, लेकिन अभी मैं अपना यह सम्मोहन तोड़ूंगा नहीं!
जो धमाके ये रॉकेट और ग्रेनेड के समझ रहे हैं वे दरअसल मेरे ध्वंसक सर्पों के हैं!
अब वास्तव में हो ये रहा था-
लेकिन देखने वालों को ये दृश्य ऐसा नजर आ रहा था-
?

Amaan
अब तमाशा नागराज की नहीं बल्कि आतंकवाद की मौत का हो रहा था-
देखा अब्बा! नागराज हमको आजाद कराएगा! खुशहाली वापस लाएगा!
मश्तून शाह के आदमी तो मारे घबराहट के गोलियां तक नहीं चला पा रहे हैं!
मश्तून शाह के आदमियों की तादाद तेजी से कम होती जा रही थी-

तुम्हारे सारे स्पेशल कमांडरों को नागराज ने बेहोश कर दिया है मश्तून! तुम्हारे संगठन की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी है उसने! अब बारी हमारी और तुम्हारी है मश्तून!
मश्तून अभी खत्म नहीं हुआ है पोल्का! मैं नागराज को खत्म कर दूंगा! और आतंकवादी संगठन को फिर से बना लूंगा!
अगर नागराज किसी तरह भारती तक पहुंच गया तो मेरा एक करोड़ डॉलर का नुकसान होगा और तुमको अपनी जान का!
क्योंकि तब चीफ कमांडर तुमको जिन्दा नहीं छोड़ेगा!
नागराज को रोकना इतना आसान नहीं है मश्तून!
ये मत भूलो पोल्का कि नागराज की कमजोर नस अभी हमारे हाथ में है! और वह कमजोर नस है... भारती!
ये... ये तो तुम ठीक कह रही हो पोल्का! फिर हम क्या करें?
तुम नागराज को रोकने और खत्म करने की कोशिश करो! और तब तक मैं भारती को यहां से सुरक्षित स्थान पर ले जाती हूं!
जब तक भारती हमारे कब्जे में रहेगी तब तक नागराज हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा! इस दौरान में भारती को 'हिप्टोनिक सीरम' के इंजेक्शन लगाकर उसको तुम्हारा गुलाम भी बना दूंगी!
ठीक है पोल्का! ये लॉकेट लो! इसमें भारती का पता भी है! और यह देखकर पहरेदार तुमको भारती को ले भी जाने देंगे!
अब तुम जाओ!
और अब नागराज देखेगा मश्तून शाह की शैतानी शक्तियों का नजारा!
सबसे पहले इसके विशालकाय होने का राज जानना होगा!
जा मेरी शैतानी आंख और दिखा मुझको नागराज की ताकत का राज!

शैतानी आंख के जरिए, मख्तून को नागराज का असली रूप दिखने लगा-

ओह! नागराज, सम्मोहन का इस्तेमाल कर रहा है!

अभी मैं तोड़ता हूं इस सम्मोहन को!

जमीन जगह-जगह से फटने लगी-
और उसमें से भयावह आकृतियां बाहर निकलने लगीं-
ओह! मज़्तून शाह में वाकई शैतानी शक्तियां हैं! उसकी शैतानी आंख ने जमीन में दबे मुर्दों को 'जिन्दा मुर्दे' यानी 'जूम्बी' का रूप दे दिया है!

और इनमें गज़ब की ताकत भी है!

हा हा हा! अब तू मरेगा नागराज! क्योंकि तेरी कोई भी ताकत इन पर असर नहीं करेगी!

ये सही कह रहा है! सर्प शक्तियां इन पर बेअसर हैं! और शारीरिक शक्ति में ये मेरे बराबर ही हैं!

मजमून के अनुसार ये कब्र में आराम से सो रहे थे! यानी अगर इनको वापस कब्र में पहुंचा दिया जाए तो ये फिर से मृत हो जाएंगे!

लेकिन समस्या यह है कि इनको मैं एक साथ कब्रों में गिरा नहीं सकता! किसी एक को कब्र में गिराकर, दूसरों को कब्र में गिराने जाऊंगा तब तक पहला कब्र से निकल आएगा! पर एक तरीका है इनको एक साथ कब्र में गिराने का!...
...फर्क बस इतना सा होगा...
...कि ये कब्रें नई होंगी!
अब ये आराम से सो जाएंगे!... अरे!
मैं शैतानी आंख को तो भूल ही गया था! ये फिर जमीन में दरारें पैदा कर रही हैं!
नागराज के सर्पों ने 'जूंबियों' के पैरों के नीचे की जमीन खोद दी थी-
और ये जूंबी फिर से बाहर निकल रहे हैं! मुझे पहले शैतानी आंख को नष्ट करना चाहिए था! लेकिन अब मुझको न तो इनको कब्रों में गिराने का मौका मिलेगा और न ही शैतानी आंख को नष्ट करने का!

नागराज इधर मुसीबत में फंसा हुआ था! और महानगर इधर मुसीबत से जूझ रहा था-
हा हा हा! पुलिस इस इलाके में आने की हिम्मत नहीं करती!
और नागराज महानगर में है ही नहीं! फिर तुझे कौन बचाएगा? ला माल दे और कार दे! फटाफट!
नहीं! नागराज आएगा! नागराज हम महानगरवासियों को मुसीबत में छोड़कर कहीं नहीं जा सकता!
नागराज! आओ, और दिखा दो इन गुंडों को कि तुम महानगर में ही हो! हमारी रक्षा करो नागराज! आ जाओ, नागराज! आ जाओ!
लेकिन भला सिर्फ एक बच्चे की पुकार नागराज को अफ़गानिस्तान से हिन्दुस्तान कैसे ला सकती थी-
या ला सकती थी-
ये कौन आ रहा है?
ये तो नागराज है! ये यहां पर कैसे आ गया? हमारी सूचना तो एकदम पक्की थी!
ये... ये नागराज नहीं हो सकता!
भई, मैं नागराज ही हूं! जब बच्चे की आवाज आई तब मैं सो रहा था! अभी नींद पूरी तरह से खुली नहीं है!
इसीलिए तालमेल जरा बिगड़ा हुआ है!

कुछ गड़बड़ है! इसको गोली मारकर देखता हूं!
अगर गोलियां बेअसर रहीं तो ये असली नागराज है, वर्ना नकली है!
आऊ!
गोली मत चलाना!
वर्ना क्या होगा?
ये शेर तेरा हाथ खा जाएगा!
भागो! पहले तो इसकी कलाई से सिर्फ सांप निकलते थे! अब तो शेर निकलने लगे हैं!
भागोगे?
लो! मैं तुम्हारी जरा सी मदद कर देता हूं!
हवा चलाकर!
थैंक्यू, नागराज! अब तो तुममें काफी नई-नई पॉवर आ गई हैं! अब गुंडों की खैर नहीं है!
हैं हैं हैं! वो तो है ही! अब ये गुंडे बेहोश हैं! आप पुलिस को खबर कर दीजिए! म...मैं चलता हूं!

वाऊ! अब समझ में आया कि कितना मुश्किल है!...
...नागराज बनना!
सौडांगी! तुमने सब कुछ सुन लिया!
हां! और देख भी लिया कि तुम नागराज का रोल कितनी बखूबी निभा रहे हो नागू!
आखिर इतनी फिल्में देखना कब काम आएगा सौडांगी? लेकिन मैंने सब गड़बड़ कर दी?
मैं मणि शक्ति से नागराज का रूप भी धर सकता हूं और सांप भी छोड़ सकता हूं! लेकिन अपने सांपों में नागराज के सर्पों जैसी समझदारी नहीं भर सकता!
इसीलिए कार की छत पर 'लैंडिंग' करते वक्त मेरी सर्प रस्सी टूट गई! और फिर मुझको यह समझ में नहीं आया कि गुंडों को कैसे डराऊं! घबराहट में मुझसे सांप के बजाय शेर निकल गया! अब सारी दुनिया में नागराज की अजीबोगरीब शक्तियों की खबर उड़ जाएगी! ओफ्फ! कितनी गड़बड़ हो गई!
घबराओ मत नागू! धीरे-धीरे तुम सब सीख जाओगे!
नागराज ने मुझे यहां तुम्हारी मदद के लिए ही तो छोड़ा है!
क्या खाक सीखूंगा? मेरी तो यह सोचकर जान निकली जा रही है कि कल जब मैं राज बनकर ऑफिस जाऊंगा तो क्या करूंगा!
नागराज ने महानगर की सुरक्षा का इंतजाम तो कर दिया था-
लेकिन फिलहाल उसको अपनी सुरक्षा करनी थी-
इन जूंबियों को जल्दी खत्म करना होगा! वर्ना ये मुझे खत्म कर देंगे! और इनको खत्म करने का एकमात्र तरीका यही है कि इनको एक साथ खत्म किया जाए!
और वह तरीका मैंने सोच लिया है!

समझा! तू गुफाओं की भूल भुलैया में घुसकर मेरे 'मुर्दा सैनिकों' से बचना चाहता है! पर ऐसा होगा नहीं! ये गुफाओं के हर मोड़ से वाकिफ हैं। तू छिप नहीं सकता नागराज!
सभी 'जूंबी' नागराज के पीछे गुफा में घुसते चले गए-
लेकिन यह कोई नहीं देख पाया कि नागराज पहले ही गुफा से बाहर निकल चुका था-
यह तो अभी पता चल जाएगा मस्तून!
अगले ही पल गुफा को एक धमाके ने चट्टानों के ढेर में बदल दिया-
और साथ ही साथ शैतानी आंख के भी चिथड़े उड़ गए-
ये...ये कैसे हो गया!
गुफा के अंदर मैं कुछ ध्वंसक सर्प छोड़ आया था! जिन्होंने तुम्हारे मुर्दा सैनिकों की नई चट्टानी कब्र बना दी है! और अब तुम्हारी शैतानी आंख भी उनको आजाद नहीं करा सकती है!

अब तुम्हारा खैर नहीं है मश्तून शाह!
नीचे आ गिरे मश्तून के सिर को उस विषफुंकार ने चकरा दिया-
लेकिन इससे पहले कि नागराज उसको कब्जे में ले पाता...
...मश्तून के हाथ एक घोड़े की रकाब पर कस गए-
वह घोड़ा मश्तून शाह को खींचता हुआ दूर ले गया-
ओफ़! ये तो हाथ में आकर फिसल रहा है! पर मैं इसको भागने नहीं दूंगा! धूल का उड़ता गुबार मुझे इसके भागने की दिशा बताता रहेगा!
और कई किलोमीटर तक पीछा करने के बाद-
नागराज अपनी मंजिल तक पहुंच ही गया-
वह रहा मश्तून शाह का घोड़ा!
यानी वह यहीं कहीं है! पर यह तो कोई प्राचीन पूजास्थल लगता है! दरवाजे के दोनों तरफ पर्वताकार द्वारपालों की मूर्तियां बनी हैं!...

और यही दरवान तुझको मौत के फरिश्ते के पास तक छोड़कर आएगा नागराज!
वैसे तू सही समझा है! यह एक पूजास्थल यानी इबादत गाह ही है! लेकिन यहां पर मश्तून खुदा की नहीं शैतान की इबादत करता है! शैतान ने मुझको यहां के पत्थरों तक को चलाने की शक्ति दी है!
यहां के चप्पे-चप्पे पर मश्तून का राज है! यहां से तेरा जिन्दा बचकर जाना असंभव है!
आऽऽऽह! बाल-बाल बचा! वर्ना मैं इस मूर्ति के पैरों के नीचे कुचला जाता!

मस्तूल ने मुझसे लड़ने के लिए प्रतिद्वंद्वियों को बहुत सोच-समझकर चुना है! पहले जूंबी और... और अब ये पत्थर की विशालकाय मूर्ति! दोनों ही दुश्मन ऐसे हैं जिन पर मेरी अधिकतर सर्प शक्तियां बेअसर हैं!
सिर्फ ध्वंसक सर्पों का ही भरोसा है! लेकिन वे भी इस पर कुछ असर नहीं डाल पा रहे हैं!
सर्प रस्सी, दरबान के पथरीले पैरों से लिपट गई-
अब इसके आकार को ही इसकी कमजोरी बनाना पड़ेगा! सुना है कि जो जितना बड़ा होता है, उतनी ही जल्दी नीचे गिरता है!
और-
ओफ्फ! तू मरने में बहुत वक्त लगा रहा है नागराज!
यानी अब तुझको दोनों तरफ से घेरना होगा!

नागराज पर दो तरफ से हमला होने लगा-
ओफ्फ! एक मुसीबत क्या कम थी जो दूसरा दरबान भी आ धमका है! इनके पैरों के नीचे की जमीन को सर्पों द्वारा खुदवाना पड़ेगा!
इधर ये घूमेंगे और उधर मैं मज़नून को बेहोश कर दूंगा!
ये उसी की शक्ति से जीवित हुए हैं! इसलिए उसके साथ-साथ ये भी बेहोश हो जाएंगे!

ओह! मेरे सर्प यहां की जमीन को खोद नहीं पा रहे हैं!
तेरी ये चाल यहां नहीं चलेगी नागराज! यहां की जमीन बगैर मेरे हुक्म के खुद ही नहीं सकती!
तेरी कोई भी शक्ति तेरे काम नहीं आ सकती नागराज!
मेरे पास अभी भी एक ऐसी शक्ति है जो तेरे पथरीले गुलामों को चूर-चूर कर देगी! पत्थरों से चिपकने की शक्ति!
तू दरबान से चिपक रहा है! अच्छा है! अब तुझको मारना आसान...
...होगा?
दूसरे दरबान का वार पड़ने से पहले ही नागराज अपना स्थान छोड़ चुका था-
कड़ाक
अरे! नागराज दूसरे दरबान से चिपक गया है! और उस दरबान के वार ने पहले दरबान को नुकसान पहुंचाया है!
खैर कुछ भी हो! नागराज बचना नहीं चाहिए! वार करो!

Amaan
वार होते रहे-
लेकिन नागराज को एक भी वार छू नहीं सका-
और दरबानों के वार एक दूसरे के शरीरों को तोड़ते चले गए-
कुछ ही पलों में यह लड़ाई खत्म हो गई-
लो! तुम्हारा यह वार भी खाली गया, मशतून!
ये... ये क्या? मेरे हाथ और पैर जमीन में चिपक गए हैं! हाथ छुड़ाना तो दूर, मैं जूतों में पैर तक नहीं निकाल पा रहा हूं!
जमीन मेरे हुक्म से ऐसा कर रही है!
अब तू बच नहीं सकता नागराज!
बस! बहुत हो गया! अब मशतून तुझको खुद मारेगा!
अब मशतून तुझे तड़पा-तड़पा कर मार डालेगा!

आफ्फ! शैतानी शक्ति से भरी है यह ऊर्जा! और ज़मीन की जकड़ ने मेरी सारी शक्तियों को निष्क्रिय कर रखा है! मरतून की शक्तियों को रोकना होगा! वर्ना ये शैतानी ऊर्जा मुझको सचमुच मार डालेगी!...
...एक तरीका है इसकी शक्ति रोकने का! पर उसके लिए मुझको ध्यान लगाना पड़ेगा!
मुझे शैतानी ऊर्जा में हो रही पीड़ा को नजरअंदाज करना होगा! यही मेरे बच पाने का एकमात्र रास्ता है!
नागराज का बदन ढीला पड़ रहा है! वह मौत की कगार पर है! मर, नागराज! मर!
अरे! ये... ये सांप कहां से आ गए? और इन्होंने मुझको क्या पहना दिया है?
ये... ये तो वही पट्टा है जो पोल्का ने नागराज को पहनाया था!

हां! ये वही पट्टा है मश्तून! इसको मेरे वे सर्प मानसिक आदेश पर उठाकर लाए हैं, जिनको मैं बुजकशी के मैदान में छोड़ आया था! मेरे सर्प ये पट्टा उठा भी लाए और तुमको पहना भी दिया! अब ये पट्टा मेरी शक्तियों की तरह तुम्हारी शक्तियों को भी निष्क्रिय कर देगा!
हां हां! मेरी कोई भी शक्ति काम नहीं कर रही है!
अब तुम्हारी शक्तियां कभी काम नहीं करेंगी मश्तून! क्योंकि ये पट्टा सिर्फ अपनी ही चाबी से खुल सकता है, और वह चाबी बुजकशी के मैदान में कहीं दब चुकी है!
आऽऽऽह!
मुझ पर वार करने से पहले अंजाम सोच ले नागराज! भारती अभी भी मेरे कब्जे में है!
अब नहीं है मश्तून!
पोल्का! तू... तू भारती को लेकर यहां क्यों चली आई?
क्योंकि मैंने भारती को आजाद कराने का वचन दिया था इसके दादा को! यह सारा नाटक तो तुम्हारा विश्वास हासिल करने के लिए खेला गया था! मैंने कभी नागराज को धोखा नहीं दिया!
यानी... तू... तू मुझको धोखा दे रही थी गद्दार!
धोखा तो तू मानवता को दे रहा है! मैंने नागराज को बंदी बनाने और उसको धोखा देने का नाटक सिर्फ तेरा विश्वास हासिल करने के लिए किया था!

और तुमको जरा सा भी शक न हो इसलिए हमने असली पट्टे तक का प्रयोग किया! हमको यकीन था कि नागराज पट्टे के बावजूद तुमको मात देने में सफल हो जाएगा! इधर नागराज तुमको उलझाए रहा और उधर मैं तुम्हारा विश्वास हासिल करके भारती को यहां ले आई!
आह! इससे बड़ा धोखा मैंने जिन्दगी में कभी नहीं खाया!
तड़ाक
और अब खाओगे भी नहीं! क्योंकि तुम्हारी बाकी जिन्दगी अब हाई सिक्योरिटी जेल में कटेगी!
मैं तुम्हारे मुंह से पट्टी हटाता हूं भारती! फिर तुम मुझको बताना कि तुम पर क्या बीती!
अरे!
क्या हुआ नागराज?
ये भारती नहीं कोई और लड़की है!
यानी अब तू मुझको धोखा दे रहा है मरदूद! बता, असली भारती कहां है?
मुझे पता नहीं! मेरे पास तो इसी लड़की को भारती बनाकर भेजा गया था!
यानी दुश्मन बहुत चालाक है पोल्का! उसने अंदाजा लगा लिया कि सुप्रीमहेड द्वारा, भारती को अफगानियों के हाथों सौंपा जाता देखने के कारण मैं भारती को ढूंढ़ने अफगानिस्तान ही आऊंगा! इसलिए वह भारती को कहीं और ले गया है!
वह आखिर भारती को कहां ले गया होगा नागराज?
इसका पता लगाए बगैर मैं हिन्दुस्तान वापस नहीं जाऊंगा पोल्का!
मेरी यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है!
इन्तजार कीजिए नागराज की अगली यात्रा का-
समाप्त